कार्यशाला प्रतिवेदन

भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने स्वच्छता अभियान के दौरान सभी को स्वच्छता संबंधीत विभिन्न जानकारी देने हेतु दिनांक 29 दिसंबर, 2020 को 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की शुरूआत आईसीएआर गीत के साथ की गई। तत्पश्चात डॉ. आर. पी. मीना, हिन्दी अधिकारी ने कार्यशाला से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। इस कार्यशाला में निदेशालय के सभी श्रेणी के कार्मिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. सत्यजित रॉय, निदेशक, भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, बोरीआवी ने हिन्दी कार्यशाला की अध्यक्षता की।

कार्यशाला में 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर निदेशालय के सभी वर्ग के लोगों ने कई पहलू जैसे- वातावरण, शारिरीक, मानसिक व अपशिष्ट(waste) प्रबंधन स्वच्छता पर अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना और दूसरों को भी जागरूक करने के लिए प्रतिवद्धता जताई।

तत्पश्चात डॉ. राम प्रसन्न मीना, हिन्दी अधिकारी ने 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर सभी वक्ता के विचारों को ध्यान में रखते हुए सफाई कहॉ और कैसे कर सकते है तथा इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और साथ ही इस कोरोना महामारी में भी सफाई रखने पर जोर दिया।

निदेशालय के निदेशक डॉ. सत्यजित रॉय ने अपने अध्यक्षयी भाषण में स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए और घर या उसके आस-पास तथा कार्यालय में भी सफाई रखनी चाहिए।

अंत में डॉ. राम प्रसन्न मीना, हिन्दी अधिकारी व वैज्ञानिक, भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, बोरीआवी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

(स्रोत :कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।)